RAJYA SABHA

Friday, 19 *May*, 2006/29 *Vaishakha*, 1928 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

नसीराबाद-बूंदी रेल लाइन का सर्वेक्षण

*501. श्री गिरीश कुमार सांगी:

डा॰ प्रभा ठाकुर:††

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान में नसीराबाद-बूंदी रेल लाइन के सर्वेक्षण के लिए पिछले बजट में कोई प्रावधान किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में और क्या कार्य किए जाने का विचार है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर॰ वेलू): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) अजमेर से कोटा (210 किलोमीटर) तक नई लाइन के लिए एक सर्वेक्षण 2005-06 के बजट में शामिल किया गया था। प्रस्तावित लाइन नसीराबाद और बूंदी से गुजरेगी।

(ख) जी नहीं।

(ग) सर्वेक्षण रिपोर्ट उपलब्ध हो जाने के बाद सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर कार्य शुरू करने के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

---

††सभा में यह प्रश्न डा॰ प्रभा ठाकुर द्वारा पूछा गया।

Survey of Nasirabad-Bundi Railway Line

†*501. SHRI GIREESH KUMAR SANGHI:
DR. PRABHA THAKUR:††

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether a provision was made in the last budget for the survey of Nasirabad-Bundi railway line in Rajasthan;

(b) if so, whether Government have completed that survey; and

(c) the work proposed to be done further by Government and the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI R. VELU): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) A survey for new line form Ajmer to Kota (210 kms.) was included in the Budget 2005-06. The proposed line will be traversing *via* Nasirabad and Bundi.

(b) No, Sir.

(c) Further action for taking up the work would depend upon the results of the survey, once the survey report becomes available.

डा॰ प्रभा ठाकुर: सभापति जी, मंत्री जी का जो उत्तर आया है, उसमें लिखा है कि 2005-06 के बजट में अजमेर से कोटा के बीच में नई रेल लाइन बिछाने के लिए सर्वे किये जाने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन मैंने प्रश्न के भाग ''ख'' में यह पूछा गया है कि क्या सरकार द्वारा सर्वे पूरा कर लिया गया है? उसका उत्तर आया है कि सर्वे पूरा नहीं किया गया है। मैं यह जानना चाहती हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण रेल लाइन है, इससे पूरे अजमेर और कोटा संभाग के लोगों को काफी सुविधा होगी, क्योंकि अभी उन्हें काफी घूम फिर कर, काफी कठिन मार्गों से जाना पड़ता है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह 210 किलो मीटर दूरी की जो रेलवे लाइन है, जो अजमेर से नसीराबाद और बूंदी होते हुए कोटा तक जायेगी, इसको जो बिछाये जाने का प्रस्ताव है, क्या इसका सर्वे कार्य आरम्भ हो गया है? और यदि आरम्भ हो गया है, तो उसे कब तक पूरा करने का लक्ष्य है?

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

††The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Prabha Thakur.

SHRI R. VELU: Mr. Chairman, Sir, I agree with the hon. Member that this is a very important line. Ajmer to Kota is now being covered by two routes, one, *via* Jaipur-Sawai Madhopur which comes to 375 kilometres and second *via* Chittaurgarh, which comes to 340 kilometres. She is saying that this route will come to 210 kilometres. I quite understand that this is very economical in terms of milage. The survey was included in the last Budget. Sir, in Rajasthan, over the years, we have completed 50 surveys. Out of 50, 16 could be taken up for examination, of which only 6 were approved and 10 are still under examination. Currently, there are 17 surveys which are in progress. Out of 17, seven surveys have been for updating and the balance are still in progress. The hon. Member has put a pointed question. It was included in the last Budget with an outlay of Rs. 10.5 lakhs as cost of survey. Sir, because of a large number of surveys on hand, this could not be proceeded further.

This year, we have allocated Rs. 4 lakhs for the survey. I would like to assure the hon. Member that it will be completed by February 2007.

डा० प्रभा ठाकुर: सभापति जी, मंत्री जी ने कहा है कि अभी तक सर्वे का कार्य शुरू ही नहीं हुआ है और इस रेलवे लाइन को बहुत महत्वपूर्ण भी माना है तथा इससे वहां की जनता को बहुत आसानी होगी। मैं सिर्फ यह जानना चाहती हूं कि क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कब तक इसके सर्वे का कार्य पूरा हो जायेगा?

श्री सभापति: अभी बताया तो है।

डा० प्रभा ठाकुर: सर, उससे स्पष्ट नहीं हुआ है कि सर्वे का कार्य कब तक पूरा हो जायेगा, क्योंकि उसके बाद ही रेलवे लाइन बिछाने का कार्य आरम्भ हो सकेगा?

SHRI R. VELU: Sir, I have already mentioned that it will be over by February, 2007, in eight months time. Thereafter, depending upon the Rate of Return (ROR) and what comes out of it, we will take up this project for sanction.

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं और उन्होंने स्वयं ही बताया है कि यह रेलवे लाइन बहुत इम्पोर्टेंट है। सचमुच में जो जोधपुर और अन्य क्षेत्र हैं, वे अकाल से पीड़ित हैं और पंजाब से कनेक्टिविटि, उत्तर भारत से कनेक्टिविटि बढ़ जायेगी, यह बात मंत्री जी ने मानी है। लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि तीन-चार लाख रुपया 2005-06 में स्वीकृत हुआ और उसमें से कुछ काम नहीं हुआ और अभी भी तीन लाख है और इसलिये कहा कि सर्वे का कार्य अक्तूबर, 2007 तक पूरा हो जायेगा। मुझे माननीय मंत्री महोदय से [illegible] का कार्य

करें कि सर्वे में पूरा पैसा कितना लगेगा? यह तो आपने केलकुलेट किया होगा और आपने कहा कि इतने सर्वे करने हैं, राजस्थान सरकार तो सर्वे नहीं करेगी, यह सर्वे तो रेलवे डिमार्टमैंट करेगा, What is the total amount required? और उसमें आप क्या करने वाले हैं, इसको बताने का कष्ट करें?

SHRI R. VELU: Sir, the survey consists of three parts. One is the reconnaissance survey; another is the preliminary survey and the third is the final location survey. These are the three stages in which every survey is taken up. In this case, we have only taken up the reconnaissance survey where we have to necessarily calculate the project cost, etc., etc., depending on how many bridges are there, what is the cost of land acquisition, so on and so forth. I never said that we would complete the project. I only said that the survey will be completed and, thereafter, we will take up the question of inclusion of the project as such.

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: माननीय सभापति महोदय, यह जो सवाल का उत्तर आया है, it is incomplete. Nothing is clear.

MR. CHAIRMAN: Shri Vijay J. Darda.

श्री विजय जे॰ दर्डा: धन्यवाद महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछले बजट में आपने वर्धा, यवतमाल, नान्देड़ रेल लाइन के बारे में घोषणा की थी।

श्री सभापति: यह कहां है? यवतमाल राजस्थान में नहीं है। आप राजस्थान के हो सकते हैं लेकिन यवतमाल राजस्थान में नहीं है, इसलिए इसे छोड़ दीजिए।

SHRI V. NARAYANASAMY: He is the Railway Minister for the entire country, not just for Rajasthan.

श्री सभापति: अच्छा ठीक है।

श्री विजय जे॰ दर्डा: सर, प्रश्न पूछ लूं।

श्री सभापति: नहीं, अब क्या पूछेंगे, क्या जवाब देंगे? श्री रुद्रनारायण पाणि। आपका उड़ीसा का मामला है।

श्री रुद्रनारायण पाणि: माननीय सभापति जी, आज की प्रश्नावली में दस नम्बर में उड़ीसा का प्रश्न है, हरिदासपुर-पारादीप का। मैं आशा करता हूं कि मंत्री जी प्रस्तुत होकर आए होंगे। पिछले ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नहीं। उड़ीसा का क्वेश्चन अलाऊ नहीं करूंगा।

श्री रूद्रनारायण पाणि: महोदय, एक लाइन के सर्वेक्षण के बारे में है।

श्री सभापति: ठीक है। दसवें प्रश्न का जवाब आप इनके पास भेज देना। ...(व्यवधान)... नेक्स्ट। प्रश्न संख्या 502।

Ban on retail sale of bird flu drugs

*502. SHRI TARIQ ANWAR: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that approval has been sent to ban the retail sale of bird flue drugs; and

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. ANBUMANI RAMDOSS): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Yes, Sir. Government of India has banned the retail sale of the antiviral drug 'Oseltamivir Phosphate' under Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) *vide* notification No. S.O. 526(E) dated 12th April, 2006.

A Committee of experts, under Directorate General of Health Services after examining the issue, suggested only public distribution of the drug for the following reasons: (i) Tamiflu is known to cause toxicity such as nausea, vomiting and psychiatric symptoms and hence it is to be administered under strict medical supervision; (ii) because of the panic created by the first outbreak at Navapur, there would have been large scale stockpiling of the drug and its indiscriminate use if retail marketing was allowed; (iii) there is no human case of avian influenza in India to justify that the drug should be available in all hospitals/clinics; (iv) Inappropriate or indiscriminate use may result in development of resistance implying that the only drug available for prophylactic treatment of this disease could become useless; and (v) The entire strategic operations were in limited areas of 3 Kms and surveillance upto 10 kms and only cases falling within the standard case definition needed to be isolated under strict infection control practices in identified hospitals and then only administered Tamiflu.